हूँ क्यों करा परवाह मैं जग दी

जद दा तेनु भूल गया सी माँ कखा वांगु रुल गेया सी माँ,
मतबल खोरी दुनिया ने जद दा मेनू ठुकराया
हूँ क्यों करा परवाह मैं जग दी तू जद दा चरनी लाया

मैं गलतिया दा सी पुतला माये तू फिर भी कीने राह दिखाए,
जो मुसीबता मेरे ते पाईया करदा तू सफाया
हूँ क्यों करा परवाह मैं जग दी तू जद दा चरनी लाया

सब कुछ सी अपना मैं खोया दर दर दा मोहताज सी होया,
ठागिया मारण रोकेया मेनू तू करना दान सिखाया
हूँ क्यों करा परवाह मैं जग दी तू जद दा चरनी लाया

दयाल पूरी दी एह कहानी लिखदी ओहदी कलम निमानी,
मिठड़े मिठड़े बोला नाल लख विंदर ने गाया
हूँ क्यों करा परवाह मैं जग दी तू जद दा चरनी लाया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22678/title/hum-kyu-kra-parwah-main-jag-di

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |